>

Title: Need to create awareness among Indian fishermen to prevent their unintentional trespassing of International Maritime Line between India and Pakistan and provide them bio-metric card and financial help.

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): मैं सरकार का ध्यान गुजरात के मछुआरों की समस्याओं की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। गुजरात के मछुआरे जखाऊ क्षेत्र में मछली पकड़ने हेतु जाते रहते हैं, क्योंकि यह क्षेत्र मछली पालन के मामले में सबसे उपयुक्त है। कभी-कभी ये मछुआरे मछली पकड़ते हुए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा तक पहुंच जाते हैं जिनको पाकिस्तान की तटीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा प्रायः नावों सहित पकड़ लिया जाता है।

पाकिस्तानी मेरीटाइम सेक्युरीटी एजेंसी द्वारा जब मछुआरों के नावों सहित पकड़े जाने की खबर निकट में ही मछली पकड़ रहे अन्य मछुआरों के माध्यम से मिलती है तब मछुआरों तथा नावों का पूर्ण विवरण विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली को दिया जाता हे और तब विदेश मंत्रालय द्वारा उनको मुक्त कराने की कवायद में समय लगता है। पिछले 8-9 सालों में 4000 मछुआरों को पाकिस्तानी समुद्री सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पकड़ा गया है जो कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

मेरा सरकार से आग्रह है कि गुजरात के मछुआरों की सुरक्षा के मद्देनजर उनमें अंतर्राष्ट्रीय सीमा रेखा को न पार करने हेतु जागरूकता अभियान चलाए तथा सभी मछुआरों को बायोमीट्रिक कार्ड तुंत जारी करें तथा भारत सरकार द्वारा मछुआरों को सन् 2007 के आर्थिक सहायता कार्यक्रम के माध्यम से तुंत आर्थिक मदद उपलब्ध कराएं।